http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 121

प्रयागराज गुरुवार 16 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

इलाज में किसी को न हो परेशानी

● समस्याओं पर तुरंत हो कार्रवाई, सीएम ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं

गोरखपुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। सीएम योगी ने कहा कि न हो किसी के साथ अन्याय, समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। गोरखपुर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्द मौसम में भी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनकर तुरंत समाधान का भरोसा दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए, किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। सभी के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपा और निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में किया गया था। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद ही गए। सीएम ने एक–एक फरियादी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानूनी सबक सिखाया जाए। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बुधवार सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही।

तीन नौसेना युद्धपोतों के जलावतरण के बाद बोले पीएम मोदी

भारत एक प्रमुख समुद्री शक्ति की ओर

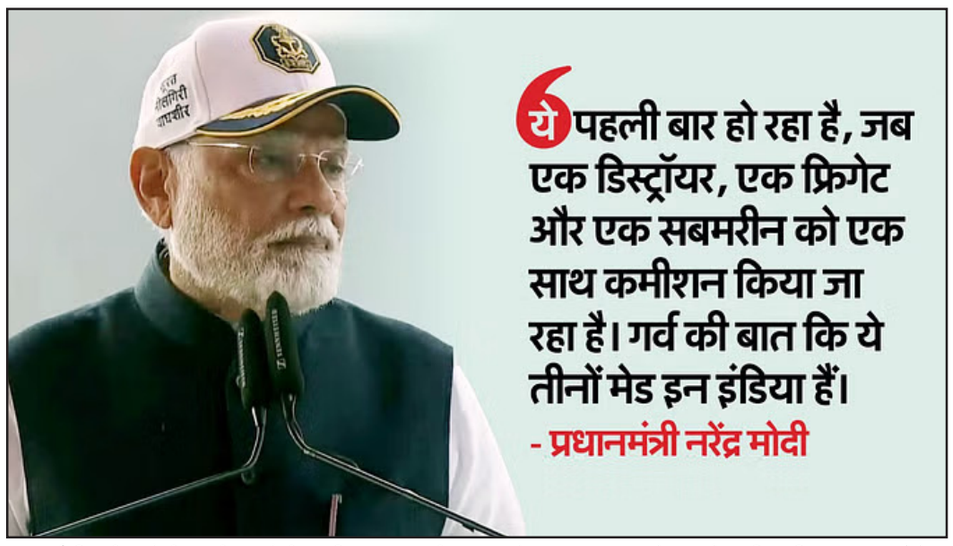

● जल, थल, नभ, गहरा समुद्र या असीम अंतरिक्ष, भारत हर जगह अपने हितों की सुरक्षा कर रहा हैः मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और खासकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। भारत विस्तारवाद नहीं, भारत विकासवाद की भावना से काम करता है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को बुधवार को नौसेना की गोदी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में बल में शामिल किया गया। नौसेना ने तीनों बड़े युद्धपोतों के शामिल होने को एक ऐतिहासिक अवसर करार दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक प्रमुख समुद्री शक्ति बन रहा है। भारत को विश्व में, विशेषकर ग्लोबल साउथ में एक विश्वसनीय और जिम्मेदार साझेदार के रूप में मान्यता मिल रही है। भारत विस्तारवाद के लिए नहीं, विकास के लिए काम कर रहा है। भारत ने हमेशा एक मुक्त, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि 15 जनवरी के दिन को सेना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले प्रत्येक जांबाज को मैं नमन करता हूं। मां भारती की रक्षा में जुटे हर वीर–वीरांगना को मैं बधाई देता हूं। आज भारत की समुद्री विरासत नेवी के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए भी बहुत बड़ा दिन है। उन्होंने कहा, श्छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य और विजन दिया था। आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नेवी को सशक्त करने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। ये पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है। गर्व की बात कि ये तीनों मेड इन इंडिया हैं।श पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और खासकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। भारत विस्तारवाद नहीं, भारत विकासवाद की भावना से काम करता है। 21वीं सदी के भारत का सैन्य सामर्थ्य भी अधिक सक्षम और आधुनिक हो, ये देश की प्राथमिकताओं में से एक है।

केजरीवाल ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। श्री केजरीवाल ने नामांकन दाखिल करने के बाद लोगों से काम करने वाली पार्टी को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि एक तरफ काम करने वाली पार्टी है और दूसरी तरफ गाली देने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि हम पिछले दस साल के अपने काम और आगे पाँच साल क्या करेंगे, उस पर चुनाव लड़ रहे हैं। आप नेता ने नामांकन के लिए निकलने से पहले पत्रकारों से कहा कि नई दिल्ली विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करने जा रहा हूं। पूरे दिल्ली के कोने–कोने से माताएं–बहनें यहां जमा हुई हैं। यह सभी मेरे साथ नामाकंन करने जाएंगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग जहां–जहां पर हैं, वहीं से शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेंजे ताकि इस बार भी ऐतिहासिक जीत हो। उसके बाद पैदल चलाकर जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए सभी 70 सीटों पर एक चरण में पाँच फरवरी को वोट डाले जाएंगे, जबकि आठ फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

भागवत का बयान देशद्रोहः राहुल

● कहीं और बोलते तो गिरफ्तार होते, आरएसएस प्रमुख ने कहा था– सच्ची आजादी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से मिली

● देश की चुनाव प्रणाली में खामी, पारदर्शी होना निर्वाचन आयोग का कर्तव्य, राहुल का ईडी पर निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' का उद्घाटन किया। पिछले करीब पांच दशक से पार्टी का मुख्यालय '24 अकबर रोड' था। अब मुख्य विपक्षी दल का नया मुख्यालय '9ए कोटला मार्ग' पर बनाया गया है। सोनिया गांधी ने फीता काटकर नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और हरियाणा समेत हालिया विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए बुधवार को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए और दावा किया कि देश की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद यह दावा भी किया कि आयोग महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान करने वालों के नाम और पते के साथ मतदाता सूची उपलब्ध कराने से इनकार कर रहा है, जबकि पारदर्शी होना उसका कर्तव्य है। राहुल गांधी ने कहा, श्यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष स्थिति वाली लड़ाई लड़ रहे हैं। यदि आप मानते हैं कि हम सिर्फ भाजपा नाम के राजनीतिक संगठन और आरएसएस के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो ऐसा नहीं है। उन्होंने हमारे देश की लगभग हर संस्था पर कब्जा कर लिया है।श उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस के लोग सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि व्यवस्था से भी लड़ रहे हैं। श्महाराष्ट्र चुनाव में कुछ गलत हुआश उन्होंने दावा किया कि मैंने साफ तौर पर कहा है कि महाराष्ट्र चुनाव में कुछ गलत हुआ है। हम चुनाव आयोग के काम करने के तरीके से खुश नहीं हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच अचानक करीब एक करोड़ नए मतदाताओं का सामने आना समस्या की बात है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान करने वालों के नाम और पते के साथ मतदाता सूची उपलब्ध कराना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उसने यह जानकारी देने से इनकार कर दिया है। श्यह बताना उनकी जिम्मेदारी है कि ऐसा क्यों हुआश उन्होंने सवाल किया कि चुनाव आयोग मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने से क्यों इनकार करेगा? हमें सूची न देकर किस उद्देश्य की पूर्ति होती है और वे इसे क्यों रोके हुए हैं? पारदर्शिता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का कर्तव्य है और यह बताना उनकी जिम्मेदारी है कि ऐसा क्यों हुआ है।

अखिलेश यादव ने दिल्ली में कांग्रेस को बताया कमजोर

देहरादून,(एजेंसी)। अखिलेश यादव ने कहा कि जब इंडिया गठबंधन बना था तो कहा गया था कि जो पार्टी जहां मजबूत है हमें उसे और मजबूत करना है। दिल्ली में आप मजबूत है इसलिए हम आप के साथ हैं। हरिद्वार पहुंचे अखिलेश यादव ने कांग्रेस को दिल्ली मे कमजोर बताया है। उन्होंने साफ कहा कि दिल्ली मे भाजपा का मुकाबला करने में कांग्रेस नहीं आम आदमी पार्टी मजबूत है। इसलिए हम आप को समर्थन दे रहे है। अखिलेश यादव आज हरिद्वार अपने चाचा राजपाल यादव की अस्थियां विसर्जित करने और उनके पिंड दान करने पहुंचे थे। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर कांग्रेस पर सवालिया निशान लगा दिया। उन्होंने कहा कि जब इंडिया गठबंधन बन रहा था तब नितीश कुमार जी ने सब भाजपा विरोधी दलों से बात कि थी और तब यह कहा गया था कि जो क्षेत्रीय पार्टी जंहा मजबूत हैं वंहा इंडिया गठबंधन उसे मजबूत करेगा। दिल्ली मे आम आदमी पार्टी मजबूत है इसलिए दिल्ली मे समाजवादी पार्टी ने आम आदमी पार्टी का समर्थन किया है। जो क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा से मुकाबला कर रही है हमें उनके साथ खड़ा हों चाहिए। सवाल दिल्ली का है तो हमारा लक्ष्य भाजपा को हराना ही है। प्रयागराज कुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि जब गंगा मईया बुलाएगी तो मैं वहां जरूर जाऊंगा। गंगा हर जह एक ही है। कहीं भी स्नान कर लें। मैंने भी कल हरिद्वार में ही गंगा स्नान किया था।

मेटा ने मांगी माफी

● 2024 के चुनाव को लेकर मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी पर मेटा ने मांगी माफी, कहा– अनजाने में हुई गलती

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। मामले में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि मेटा को गलत सूचना फैलाने के लिए माफी मांगनी होगी। मेरी समिति इस गलत जानकारी के लिए मेटा को बुलाएगी। किसी भी लोकतांत्रिक देश की गलत जानकारी देश की छवि को धूमिल करती है। इस गलती के लिए भारतीय संसद से तथा यहां की जनता से उस संस्था को माफी मांगनी पड़ेगी। 2024 के चुनाव को लेकर मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी पर मेटा बैकफुट पर आ गई है। कंपनी ने मामले में माफी मांग ली है। कंपनी ने कहा कि अनजाने में हुई गलती के लिए हम माफी मांगते हैं। मेटा इंडिया में सार्वजनिक नीति के निदेशक के तौर पर काम करने वाले शिवनाथ ठाकुरल ने एक्स पर एक पोस्ट में सीईओ की तरफ से माफी मांगी। उन्होंने कहा, श्मार्क का यह कहना कि 2024 के चुनावों में कई मौजूदा पार्टियां फिर से चुनकर नहीं आईं कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के मामले में ऐसा नहीं है। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी चाहते हैं। भारत मेटा के लिए एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण देश बना हुआ है और हम इसके शानदार भविष्य के केंद्र में होने की आशा करते हैं। इससे पहले भारत के चुनाव से जुड़ी मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी को लेकर मेटा मुश्किलों में फंसता दिख रहा था। संसदीय पैनल ने कंपनी के खिलाफ समन जारी करने का फैसला किया है। समन करने की खबर ऐसे वक्त सामने आई थी, जब एक दिन पहले ही यानी सोमवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग पर पलटवार किया था। दरअसल, जुकरबर्ग ने दावा किया था कि कोविड–19 महामारी के बाद भारत समेत ज्यादातर देशों की मौजूदा सरकारों को 2024 में चुनावी हार का सामना करना पड़ा। मंत्री ने कहा था कि उनका बयान तथ्यात्मक रूप से गलत है। मामले में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि मेटा को गलत सूचना फैलाने के लिए माफी मांगनी होगी। मेरी समिति इस गलत जानकारी के लिए मेटा को बुलाएगी।

किसी भी लोकतांत्रिक देश की गलत जानकारी देश की छवि को धूमिल करती है। इस गलती के लिए भारतीय संसद से तथा यहां की जनता से उस संस्था को माफी मांगनी पड़ेगी।

भाजपा ने फिर पूर्वांचल समाज के लोगों को गाली देकर अपमानित किया: आप

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर पूर्वांचल समाज के लोगों को गाली देकर अपमानित किया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि भाजपा ने पूर्वांचलियों को गाली देने, धमकाने और रोहिंग्या कहकर अपमानित करने का अभियान चला रखा है। हमने देखा कि देश की संसद में भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्वांचल, उत्तर प्रदेश बिहार के लोगों को रोहिंग्या और बंगलादेशी कहा। उत्तर प्रदेश, बिहार के लोगों को गाली देने का भाजपा का पुराना इतिहास है। दिल्ली में छठ घाट बनाने के लिए हमें संघर्ष करने पड़ते थे। अब सारी सीमाएं पार करते हुए भाजपा के प्रवक्ता ने पूरे देश के सामने राष्ट्रीय चौनल पर ''आप'' के विधायक ऋतुराज झा को गाली दी। श्री सिंह ने कहा, '' ऋतुराज झा मैथिली ब्राह्मण समाज से आते हैं। मैथिली भाषा का एक अलग स्थान है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पूर्वांचल के लोग अपने परिश्रम से दिल्ली को बनाते हैं और भाजपा के नेता इन्हीं लोगों को गाली दे रहे हैं। मैं भाजपा नेता मनोज तिवारी से पूछता हूं कि मैथिली–ब्राह्मण समाज के एक निर्वाचित विधायक को गाली दी गई है और वो कहां छिपे हैं? मनोज तिवारी इस पर कुछ क्यों नहीं बोलते? अब उनके मन में पूर्वांचल का सम्मान कहां गया?'' उन्होंने कहा कि भाजपा में जितने उप्र, बिहार, पूर्वांचल के नेता हैं यह उनके लिए परीक्षा की घड़ी है। कम से कम वो इतने बड़े अपमान के विरोध में एक शब्द तो बोलें। अपने मुंह से थोड़ी तो आवाज निकालें। यह बात ठीक नहीं है। हम लोग यहां आकर मेहनत करते हैं। क्या हम लोग अपना खून–पसीना बहाकर दिल्ली और देश के बड़े–बड़े शहरों को इसलिए बनाते हैं कि भाजपा के नेता हमें गाली दें?

राहुल ने उजागर किया कांग्रेस का सच

● इनका देशविरोधी ताकतों को बढ़ाने का इतिहास, नड्डा का पलटवार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास उन सभी ताकतों को बढ़ावा देने का रहा है, जो एक कमजोर भारत चाहते हैं। सत्ता के लिए उनके लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता करना और लोगों को धोखा देना था। लेकिन भारत के लोग समझदार हैं। उन्होंने तय कर लिया है कि वे राहुल गांधी की विचारधारा को खारिज कर देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लड़ाई भाजपा ही नहीं हर भारतीय राज्य से वाले बयान को लेकर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि उसने देश को कमजोर करने वाली ताकतों को बढ़ावा दिया है। जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस का घिनौनी सच किसी से छिपा नहीं है। अब उनके अपने नेता ने ही इसका पर्दाफाश कर दिया है। मैं राहुल गांधी की सराहना करता हूं कि उन्होंने वह बात साफ–साफ कही जो देश जानता है कि वह भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि राहुल गांधी और उनके तंत्र का शहरी नक्सलियों और डीप स्टेट के साथ घनिष्ठ संबंध है। जो भारत को बदनाम करना चाहते हैं। उनके बार–बार के कार्यों ने भी इस विश्वास को मजबूत किया है। उन्होंने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने वाला है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास उन सभी ताकतों को बढ़ावा देने का रहा है, जो एक कमजोर भारत चाहते हैं। सत्ता के लिए उनके लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता करना और लोगों के विश्वास को धोखा देना था। लेकिन भारत के लोग समझदार हैं। उन्होंने तय कर लिया है कि वे हमेशा राहुल गांधी और उनकी सड़ी हुई विचारधारा को खारिज कर देंगे। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान महज संयोग नहीं है।

बल्कि जॉर्ज सोरोस द्वारा पूर्व नियोजित और प्रायोजित है। आज कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने साफ कर दिया है कि भाजपा और पीएम मोदी का विरोध करते–करते वे देश का विरोध करने लगे हैं। वे भारत और भारतीय राज्यों के खिलाफ लड़ रहे हैं।

यह संयोग नहीं बल्कि एक सोचा–समझा प्रयोग है। यह एक उद्योग बन गया है, जिसे सोरोस (जॉर्ज सोरोस) प्रायोजित करते हैं। राहुल गांधी श्भारत तोड़ोश के एजेंडे पर चलते हैं।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

जीवन में हो संतुलन

काम के दिन और घंटों से जुड़ा विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। इनफोसिस के कोफाउंडर एन आर नारायणमूर्ति ने कुछ समय पहले देश के नौजवानों को यह सलाह दी थी कि उन्हें सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। अब एल एंड टी के चेयरमैन एस.एन सुब्रमण्यम ने इस बात पर अपनी बेबसी जाहिर की है कि वह अपने कर्मचारियों से सप्ताह में 90 घंटे काम नहीं करवा पा रहे हैं। उनके मुताबिक कर्मचारियों को रविवार के दिन भी काम में जुटे रहना चाहिए ।देखा जाए तो बिजनेस हेडों और कंपनियों के सीईओ जैसे पदों पर काम कर रहे लोगों में यह सोच पहले से रही है कि कर्मचारियों को अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रेरित किया जाए। व्यक्तिगत स्तर पर इस तरह के प्रयासों में कोई बुराई नहीं है, जब तक कि संबंधित कर्मचारियों के सामने इसे स्वीकार करने या न करने की स्वतंत्रता बनी रहती है। दिक्कत तब खड़ी होती है जब वे अपनी इस सोच को पॉलिसी के रूप में दूसरों पर लादने का प्रयास करते हैं या इसे राष्ट्र निर्माण जैसे मकसद की आड़ देते हैं।

ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सचमुच किसी देश की या किसी कंपनी की भी उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि वहां लोग कितनी देर तक काम करते हैं। क्या काम की मात्रा ही सबकुछ है या काम की क्वॉलिटी पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है? और जब बात क्वॉलिटी की हो तो क्या यह संभव है कि जिन कर्मचारियों के जीवन में क्वॉलिटी न हो, उनके काम में क्वॉलिटी बनी रहे?

जीवन में क्वॉलिटी बनाए रखने के लिए ही वर्क–लाइफ बैलेंस को जरूरी माना गया है। यही वजह है कि हर्ष गोयनका जैसे बिजनेस लीडर्स भी इसकी अहमियत को रेखांकित कर रहे हैं और यही वजह है कि दीपिका पाडुकोण जैसी सिलेब्रिटीज भी इस बहस के संदर्भ में मेंटल हेल्थ का मुद्दा उठा रही हैं।

बात–बात में राष्ट्र का सवाल उठाने वाले बिजनेस बॉसों को समझना चाहिए कि राष्ट्र के विकास के लिए सिर झुकाकर खटते रहने वाले युवाओं से ज्यादा अहमियत स्वतंत्र चेतना वाले युवाओं की है। ऐसे युवाओं की जो वर्कप्लेस पर एम्प्लॉयी के रूप में अपना बेस्ट देने के बाद मनुष्य के रूप में अपने विकास पर ध्यान देते हों और परिवार, आस पड़ोस तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी अच्छे से निर्वाह करते हों।

पोषण लाभ व प्रगति को और मजबूत करने की

डॉ. राजन शंकर, डॉ. राजन शंकर

समग्र कल्याण के लिए अच्छा पोषण बेहद जरुरी है और राष्ट्र के स्वास्थ्य और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। पर्याप्त पोषण मिलने से, खासकर गर्भावस्था के दौरान, जन्म लेने वाले शिशु स्वस्थ होते हैं और उनकी जीवनभर बेहतर स्वास्थ्य के साथ जीवन का आनंद लेने की संभावना ज्यादा होती है। बचपन में उचित पोषण प्राप्त होने का असर बच्चों की बेहतर आईक्यू, उत्पादकता में वृद्धि और वयस्क होने पर बेहतर धन संग्रह पर भी पड़ता है। गर्भाधान के पहले 1,000 दिनों के दौरान पोषण को प्राथमिकता देना, किसी भी पीढ़ी में कुपोषण के चक्र को तोडने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले साल कोपेनहेगन सहमति की एक रिपोर्ट के अनुसार, सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पोषण में निवेश करना सबसे प्रभावी रणनीति है।

7वां राष्ट्रीय पोषण माह 1 सितंबर से 30 सितंबर, 2024 तक मनाया गया। इस संदर्भ में, यह जानना बेहद जरुरी है कि शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा भी कुपोषण के दीर्घकालिक प्रभाव देखे जाते है, जो खासकर सामाजिक–आर्थिक स्थितियों को भी प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में पीएम–पोषण योजना, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधि ानियम (एनएफएसए) जैसे विभिन्न मंत्रालयों के सहयोगात्मक प्रयास इसी समझ को दर्शाते हैं।

पोषण में आत्मनिर्भररू आंगनवाड़ी और पोषण वाटिका

महिला और बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 जैसे कार्यक्रम, पोषण परिणामों में सुध ार लाने और बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और नर्सिंग माताओं में कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करने के मकसद से संस्थागत समर्थन का एक अनूठा मॉडल पेश करते हैं। सक्षम आंगनवाड़ी पहल के तहत, आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी) बुनियादी पोषण सहायता के इतर भी व्यापक सेवाएं प्रदान करते हैं। इन सेवाओं में स्वस्थ भोजन, प्रसवपूर्व और प्रसव के बाद की देखभाल, स्तनपान की प्रक्रिया और पूरक आहार के महत्व पर मार्गदर्शन देना शामिल हैं। अपने नियमित स्वास्थ्य जांच अभ्यासों के जरिए, यह कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के लिहाज से बच्चों का मूल्यांकन करता है और उचित सहायता प्रदान करता है।आंगनवाड़ी केंद्रों को बचपन के समय में ही प्रारंभिक विकास को बढ़ावा देते हुए मातृ एवं बाल पोषण प्रयासों में सहायता करके, देखभाल की निरंतरता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कुपोषण से निपटने के लिए नीति निर्माण में डेटा–संचालित समाधान सुनिश्चित करने में होने वाली प्रगति ही पोषण ट्रैकर की शुरूआत है। यह बेहद सक्रिय मंच, पोषण सेवाओं की योजना, निष्पादन और निगरानी में सहायता करता है ताकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की पहचान कर सकें और सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके।इस योजना के तहत एक अन्य पहल पोषण वाटिका (पोषण उद्यान) की भी शुरुआत की गई है। आमतौर पर आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थापित इन किचन गार्डन का मकसद ताजा, स्थानीय रूप से उगाई गई सब्जियां और फल प्रदान करके बच्चों और महिलाओं के पोषण को बेहतर बनाना है। यह पहल न केवल सबसे जरुरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता में सुधार करती है बल्कि आत्मनिर्भरता और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर समुदायों को सशक्त भी बनाती है। यह खाद्य योजनाओं को स्थानीय कृषि–जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की अनुमति देता है, आहार विविधता और सतत् भोजन लेने की विचारधारा का समर्थन करता है।

जलवायु परिवर्तन के बीच खाद्य प्रणालियों की संवेदनशीलता के संदर्भ में भारत ने बाजरा को बढ़ावा दिया है, जो जलवायु के लिहाज से बेहतर और ज्यादा पौष्टिक हैं। वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता प्राप्त, ये फसलें प्रोटीन,जरुरी फैटी एसिड, फाइबर, विटामिन बी और प्रमुख खनिजों से भरपूर हैं, जो खासकर महिलाओं और बच्चों में एनीमिया जैसी कमियों को दूर करने में मदद करती हैं। बाजरा पोषण अभियान का एक प्रमुख भाग है और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और छोटे बच्चों को प्रदान किए जाने वाले पूरक पोषण में शामिल है।पोषण एक बहुक्षेत्रीय मुद्दा है, जिसके लिए बहु–क्षेत्रीय समाधानों की जरुरत है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से, कुपोषित बच्चों के प्रबंधन के लिए हाल ही में शुरू किया गया प्रोटोकॉल, बच्चों, खासकर गंभीर रुप से कुपोषण वाले बच्चों में कुपोषण की पहचान करने और उनका प्रबंधन करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। सामुदायिक सक्रियता, नियमित स्क्रीनिंग और निगरानी जैसी जरुरी कार्यनीतियों को रेखांकित करते हुए, ये दिशा–निर्देश न केवल एक समग्र दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर कुपोषण के प्रबंध ान को कारगर बनाने के लिए, लागत के लिहाज से अनुकूल उपाय भी प्रदान करते हैं।इस कार्यक्रम में जब गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) वाले बच्चों का चिकित्सा संबंधी समस्याओं के लिए मूल्यांकन किया जाता है, तो ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) को लेकर अतिरिक्त जांच की जाती है। जटिलताओं या कम भूख लगने की समस्या से ग्रसित बच्चों को पोषणिक पुनर्वास केन्द्रों(एनआरसी) या कुपोषण उपचार केन्द्रों (एमटीसी) भेजा जाता है, जबकि चिकित्सीय जटिलताओं से रहित बच्चों का उपचार आंगनवाड़ी केन्द्रों में किया जाता है। कई राज्यों में, सामुदायिक प्रणाली में गंभीर तीव्र कुपोषण के जटिल मामलों के प्रबंधन पर फोकस करने के लिए ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस के दौरान फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं दृ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के बीच बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।कुपोषण के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमने एक लंबा सफर तय किया है, लेकिन फिर भी चुनौतियां बरकरार हैं। मौजूदा कार्यक्रमों ने बच्चों में मध्यम और गंभीर तीव्र कुपोषण दर में सुधार और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों को बढ़ाते हुए एक ठोस नींव रखी है। हांलाकि, विशेष रूप से गैर–गर्भवती और गैर–स्तनपान कराने वाली महिलाओं, खासकर ऐनीमिया जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से पीडिघ्त किशोरियों के लिए निरंतर कोशिशें होना जरुरी है। इस समूह के लिए समर्पित हस्तक्षेप और मंचों की आवश्यकता है।

पोषण से जुड़े परामर्श कई पहलों का अभिन्न अंग है। समुदाय के नेताओं और समुदाय को शिक्षित और प्रशिक्षित करना, स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार संदेशों को तैयार करना और कार्यक्रम के विकास में समुदायों को शामिल करना, पोषण की आदतों में सुधार लाने के लिए बेहद जरुरी है। रणनीतियों को खाद्य उपलब्धता, आर्थिक स्थितियों और सामाजिक कारकों को भी संबोधित करना चाहिए, ताकि पोषण सेवाएं सुलभ और व्यावहारिक हो सकें।सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, सामुदायिक संगठनों और नीति निर्माताओं समेत सभी हितधारकों के बीच सहयोग आवश्यक है। एक सहयोगी और समावेशी दृष्टिकोण, अधिक प्रभावशाली और लंबे समय तक चलने वाले बदलाव को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा।भारत ने अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर काबू पाने का मार्ग दिखाया है। वर्तमान कार्यक्रम की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, कुपोषण के चक्र को तोडने और एक स्वस्थ और अधिक विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढने में पर्याप्त प्रगति की जा सकती है।

एक चिकित्सक और सेना मेडिकल कोर से चिकित्सा और एंडोक्रिनोलॉजी में सेवानिवृत्त वरिष्ठ सलाहकार हैं। उन्होंने इससे पहले टाटा ट्रस्ट में पोषण निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दी। टाटा ट्रस्ट में अपनी भूमिका से पहले, डॉ. शंकर ग्लोबल एलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (जीएआईएन) में दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रतिनिधि थे, जहाँ उन्होंने भारत में कार्यक्रम विकास और अनुदान प्रबंधन में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत में यूनिसेफ के बाल विकास और पोषण अनुभाग में एक परियोजना अधिकारी के रूप में काम किया। डॉ. शंकर ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए हैं।

टूट की ओर बढ़ रहा इंडिया गठबंधन

शिवसेना (न्ठज) के प्रवक्ता संजय राउत के ताजा बयान ने प्.छ.क.प्.।. ब्लॉक में चल रही उथल–पुथल की चर्चा को तेज कर दिया है। ऐसे ही बयान अन्य नेताओं और दलों की ओर से भी आए हैं। स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि क्या विपक्षी गठबंधन किसी बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है।

इससे पहले जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री और नैशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला भी कह चुके हैं कि अगर विपक्षी गठबंधन लोकसभा चुनावों तक के लिए ही सीमित था तो इसे अब भंग कर देना चाहिए । यही नहीं, तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी साफ–साफ कह चुके हैं कि दिल्ली वि ाानसभा चुनाव में वे कांग्रेस का नहीं आम आद पार्टी का समर्थन करते हैं। शिवसेना (न्ठज) भी ऐसी घोषणा कर चुकी है।पहली नजर में इसे प्.छ.क.प्.।. ब्लॉक में आपसी फूट का लक्षण माना जा सकता है। लेकिन

गौर करें तो यह इस ब्लॉक से जुड़े दलों का राजनीतिक अंतर्विरोध ज्यादा है। यह अंतर्विरोध शुरू से इस ब्लॉक में रहा है। इसी अंतर्विरोध ा के चलते विभिन्न राज्यों के चुनावों के वक्त सीटों का बंटवारा जटिल सवाल बनता है। इसी अंतर्विरोध के चलते हरियाणा में आम आदमी पार्टी इस आरोप के बावजूद चुनाव लड़ती है कि उसे मिलने वाले वोट ठश्रच की जीत की संभावना को मजबूती देंगे।इस बार दिल्ली में कांग्रेस के पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने का फैसला भी इसी अंतर्विरोध को दर्शाता है। ऐसे में ।।च के साथ मिलकर ये क्षेत्रीय दल अगर कांग्रेस पर इस बात के लिए दबाव बनाना चाहते हैं कि वह ठश्रच की जीत को आसान न बनाए तो यह स्वाभाविक है। लेकिन इसे अभी से प्.छ.क.प्.।. ब्लॉक के विखंडन का अनिवार्य संकेत मान लेना जल्दबाजी हो सकता है।आपसी संवाद में कमी, संयोजक की नियुक्ति में देर और बैठक का लगातार टलना– ऐसी शिकायतें हैं जो बताती हैं कि प्.छ.क.प्.।. ब्लॉक में सब कुछ ठीक नहीं है। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो ये मुद्दे गंभीर मतभेद का रूप ले सकते हैं। निश्चित रूप से बेहतर तालमेल की जरूरत है।

ममता के प्रति जो धारणा बदल रही

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल में इतिहास अपने को दोहराता लग रहा है। एक बाद एक हो रही भयावह घटनाएं और राज्य के अलग अलग हिस्सों में स्वंयस्फूर्त हो रहे जन आंदोलन 2011 से पहले के समय की याद दिला रहे हैं। पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन के पांव उखडने से पहले राज्य के हालात ऐसे ही थे। एक तो ममता बनर्जी ने मुख्य विपक्ष के नाते सरकार की नाक में दम किया हुआ था। नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण और सिंगूर में टाटा की नैनो कार के प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के खिलाफ ममता ने इतना बड़ा आंदोलन खड़ा कर दिया कि साढ़े तीन दशक से सत्ता में बैठा वाम मोर्चा इसे संभाल नहीं सका। नंदीग्राम में 2007 में जो आंदोलन शुरू हुआ उसकी अंत परिणति 2011 में वाम शासन के अंत और ममता बनर्जी की ताजपोशी के रूप में हुई।

अब 2026 के विधानसभा चुनाव से दो साल पहले से ठीक वैसे ही हालात बन रहे हैं, जैसे 2007 में थे। ममता बनर्जी के खिलाफ बात बात पर आंदोलन भड़क जा रहा है। फर्क इतना है कि इस बार ममता बनर्जी के सामने उनकी तरह का कोई फायरब्रांड विपक्षी नेता नहीं है। भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी है लेकिन उसके पास कोई चेहरा नहीं है। वह तृणमूल कांग्रेस से उधार पर लाए शुभेंदु अधि ाकारी के दम पर ममता बनर्जी से नहीं लड़ सकती है। भाजपा इस बात को समझ रही है तभी उसने कोई चेहरा आगे नहीं किया है और न यह दिखा रही है कि ममता सरकार के खिलाफ अलग अलग जगहों पर हो रहे आंदोलन के पीछे उसका कोई हाथ है। कई जगह सचमुच भाजपा का हाथ नहीं भी है। लोग खुद से आंदोलित हो रहे हैं और हर छोटा बड़ा प्रदर्शन अंत में सरकार विरोधी बड़े आंदोलन में तब्दील हो रहा है।

सबसे अहम बात यह है कि मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता के तौर पर ममता बनर्जी ध ाारणा की लड़ाई हार रही हैं। वे नैरटिव लूज कर रही हैं। उन्होंने मां, माटी मानुष्य का जो नैरेटिव गढ़ा था वह उनके हाथ से फिसल रहा है। महिलाएं उनकी सरकार से नाराज हैं और उनको कठघरे में खड़ा कर रही हैं। आरजी कर अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और जघन्य हत्या की घटना के बाद ममता के प्रशासन ने जिस तरह से काम किया उससे ममता के दामन पर बहुत गहरे दाग लगे हैं। उनकी साधारण सफेद सूती साड़ी महिलाओं को भरोसा जगाती थी वह अब नहीं हो रहा है।

कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक हड़ताल की और इस दौरान डॉक्टरों से इतर सामान्य महिलाओं ने भी बड़ी तादाद में आकर उनका समर्थन किया। फिर जूनियर डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठे और उनको व्यापक समाज का समर्थन मिला। वे इस बात से आहत हैं कि अस्पतालों में उनके ऊपर बेवजह हमले होते हैं और सरकार कुछ नहीं करती है। वे राज्य में धमकी देने की संस्कृति का समापन चाहते हैं और इसमें भी सरकार कुछ नहीं कर रही है।

ममता बनर्जी की सरकार के बारे में यह धारणा बन रही है कि उसने महिला की अस्मिता और जान के ऊपर अपनी सरकार की छवि को प्रमुखता दी और इसलिए छवि बचाने के लिए ममता की पुलिस ने पीडिघ्त डॉक्टर के परिजनों को पैसे का ऑफर दिया था। अभी इस घटना का विरोध बंद भी नहीं हुआ था कि दक्षिण 24 परगना के कृपाखाली इलाके में एक 10 वर्षीय बच्ची का शव मिला, जिसके परिजनों का कहना है कि उसके साथ बलात्कार किया गया और उसके बाद बहुत बेरहमी से हाथ पांव तोड़ कर उसको मार डाला गया।

लड़की के लापता होने की शिकायत जब थाने में की गई तो पुलिस वालों ने कोई नोटिस नहीं लिया और बच्ची को तलाशने का कोई प्रयास नहीं किया। तभी उसका शव मिलने के बाद लोगों का गुस्सा भड़का और उन्होंने थाने में आग लगा दी। उससे पहले तोडफोड़ की और पुलिस वालों पर हमला किया। पुलिस वालों को भाग कर जान बचानी पड़ी। लोगों ने तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय विधायक को भी खदेड़ कर भगा दिया। लोगों ने इस घटना की तुलना आरजी कर अस्पताल की घटना से की और कहा कि दोनों मामलों में ममता बनर्जी की पुलिस का रवैया एक जैसा था।

इससे पहले संदेशखाली में जो हुआ वह भी सबको पता है। तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख की ज्यादतियों के खिलाफ लोग एकजुट हुए और उन्होंने सड़क पर उतर कर आंदोलन किया। उस मामले में भी ममता बनर्जी की पुलिस ने आरोपी को बचाने का प्रयास किया। संदेशखाली, कोलकाता और दक्षिण 24 परगना के कृपाखाली की तीन घटनाएं ममता सरकार के बारे में बन रही नकारात्मक धारणा का मुख्य कारण बनी हैं। वैसे और भी कारण होंगे। लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने के बाद किसी भी सरकार के प्रति एंटी इन्कम्बैंसी पैदा होती है। हालांकि जब भी इस तरह की बात होती है तो तृणमूल समर्थकों का कहना होता है कि लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 29 सीटें जीती हैं। उसने भाजपा से उसकी जीती हुई छह सीटें छीन ली है। इसका मतलब है कि लोग अब भी उसके साथ हैं।

लेकिन ध्यान रहे लोकसभा का चुनाव आरजी कर अस्पताल की घटना के पहले हुआ था और दूसरे, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ देश भर में नाराजगी थी, जिसका फायदा ममता बनर्जी को मिला। आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद ममता के प्रति धारणा तेजी से बदली है। जितनी बड़ी संख्या में महिलाएं उनके खिलाफ प्रदर्शन करने सड़क पर उतरी हैं वह मिसाल है कि चीजें तेजी से बदल रही हैं। ममता के खिलाफ बड़ी संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतरी हैं और इसके प्रतीक इस साल दुर्गापूजा के पंडालों में भी दिखे। अनेक पूजा पंडाल आरजी कर अस्पताल की घटना की थीम पर बने थे। एक पूजा पंडाल में जूनियर डॉक्टर का शव मां दुर्गा के साथ में था। वे दोनों हाथों से जूनियर डॉक्टर के शव उठाए हुए थीं। एक दूसरे पूजा पंडाल में जूनियर डॉक्टर का शव जमीन पर पड़ा था और मां दुर्गा ने अपनी दोनों आंखें अपने हाथ से ढक ली थी। उस पंडाल में मां दुर्गा का शेर भी शर्मिंदा होकर नजरें झुका कर खड़ा था।

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजों की बहुत झलक दुर्गापूजा के पंडालों से मिलती है। अगर इसको पैमाना मानें तो साफ दिखेगा कि ममता बनर्जी नैरेटिव लूज कर रही हैं। उनके बारे में धारणा बदल रही है। महिलाओं की नाराजगी के अलावा उनके प्रति धारणा बदलने वाली दूसरी बात यह है कि कोलकाता और पूरे बंगाल की सिविल सोसायटी उनके खिलाफ है। सिविल सोसायटी ने ममता बनर्जी से मुंह मोड़ लिया है।

ममता बनर्जी अपनी चुनाव में बचे हुए पौने दो साल में धारणा बदलने के लिए कुछ न कुछ जरूर करेंगी लेकिन कामयाब कितनी होंगी यह नहीं कहा जा सकता है। उनके साथ सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट यह है कि विपक्ष नहीं है। 75 विधायक होने के बावजूद भाजपा विपक्ष के नाते पूरी तरह से अप्रभावी है। उसके पास तृणमूल से आयातित नेता हैं। अभी पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। इनके नतीजे भी राज्य की आगे की राजनीति की कुछ झलक देने वाले होंगे। हालांकि इनके नतीजों से 2026 का अंदाजा लगाना ठीक नहीं होगा। फिर भी पता चलेगा कि ममता के प्रति जो धारणा बदल रही है, उसका कितना चुनावी फायदा भाजपा को होता है।

बदमाशों ने मंदिर के पुजारी पर बोला हमला हालत गंभीर

चिकित्सकों ने किया वाराणसी रेफर, भक्तों में आक्रोश

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले में बदमाशों दबंगो का खौफ कम नहीं हो रहा है। जिले में नए पुलिस कप्तान का आगमन होने के बाद भी अपराधों का सिलसिला जारी है। बीती रात जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत मुंशीपुर गांव के शिव मंदिर में चार लोगों द्वारा मंदिर के पुजारी को मार–पीटकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया। मामले की जानकारी होते ही लहंगपुर चौकी प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए घटना में शामिल लोगों की तलाश में जुट गए हैं। दूसरी ओर घटना की खब्बर होते ही भक्तों में आक्रोश बढ़ने लगा है। उध ार पुजारी की भी हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत मुंशीपुर गांव निवासी महेंद्र कुमार दुबे पुत्र सनत कुमार दुबे गांव स्थित शिव मंदिर पर पुजारी के रूप में रहते हुए मंदिर की देखभाल के साथ पूजा अर्चना करते हैं। बीती रात लगभग 11 बजे चार की संख्या में पहुंचे लोगों ने किसी बात को लेकर मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। जिससे महेंद्र के सिर हाथ व पैर में गंभीर चोट आई है। परिजनों को जानकारी मिलने पर आनन–फानन में उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर गए, जहां पर मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए बीएचयू वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित महेंद्र कुमार दुबे के चचेरे भाई देवेन्द्र कुमार दुबे ने लहंगपुर चौकी प्रभारी विजय कुमार राय को तहरीर देकर जांच पड़ताल करते हुए मारपीट करने वाले एक नामजद सहित चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग किया। इस संबंध में चौकी प्रभारी लहंगपुर विजय कुमार राय ने बताया कि मारपीट करने वाले एक नामजद व तीन अज्ञात के विरुद्ध तहरीर

मिली है जांच पड़ताल की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

रफ्तार की माररू दो बाइको की आमने–सामने टक्कर में बाइक सवार एक युवक की हुई मौत चार घायल–मीरजापुर। जिले के हलिया–ड्रमण्डगंज मार्ग पर गलरा पंचायत भवन के पास रविवार की दोपहर दो बाइको की आमने–सामने भिड़ंत होने से बाइक सवार एक युवक की घटना स्थल पर मौत हो गई है, जबकि बाइक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर भिजवाया है जहां पर चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो की हालत गंभीर देखकर उन्हें मण्डलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है। जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते चलें कि मध्य प्रदेश के हनुमना निवासी 30 वर्षीय अशोक साकेत अपने जीजा हनुमना थाना क्षेत्र के हाटा गांव निवासी 32 वर्षीय राजेश के साथ बाइक से मिर्जापुर जिले के हलिया बाजार से अपने घर लौट रहे थे कि जैसे ही ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के हलिया–ड्रमण्डगंज मार्ग पर गलरा पंचायत भवन के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रहे ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के बंजारी कला गांव निवासी बाइक सवार 25 वर्षीय शिवकुमार व हलिया थाना क्षेत्र के अतरी गांव निवासी 19 वर्षीय बबुलेश व पंवारी कला गांव निवासी 26 वर्षीय रोहित के बाइक से आमने–सामने भिड़ंत होने से बाइक सवार अशोक साकेत की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि बाइक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गएं। जिन्हें मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार सरोज ने घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया जहां पर चिकित्सक विवेक खरे ने अशोक साकेत को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल बबुलेश, शिव कुमार की हालत गंभीर देखकर मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में चिकित्सक विवेक खरे ने बताया की दो बाइको की आमने सामने भिड़ंत होने पर बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। गंभीर रूप से घायल दो युवकों को मण्डलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया है। जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

सदगुरु महोत्सव का समापन, खिलाड़ी पुरस्कृत

चित्रकूट। सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट एवं सद्गुरु शिक्षा समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राज्यीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 23वें सद्गुरु महोत्सव की समापन संध्या पर विजेता एवं उपविजेताओं को पुरुस्कृत किया गया।

सद्गुरु महोत्सव अरविन्द भाई खेल परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें चित्रकूट अंचल के मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र के 40 से अधिक विद्यालयों के 45 सौ से अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। चार दिवसीय क्रीड़ा उत्सव में कबड्डी, खो–खो, लम्बी कूद, ऊंची कूद, दौड़, रिले रेस, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। जिसमें ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने उपस्थित होकर विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे विद्या संस्थानों के आयोजनों में जाने पर अपने बाल्यकाल की सुखद स्मृतियां जीवंत हो जाती हैं। बच्च असीम संभावनाओं से ओतप्रोत हैं और राष्ट्र का भविष्य हैं। अनुशासन में रहकर विद्यार्जन और खेलकूद दोनो में सहभागिता करें। खिलाड़ी भावना से अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर राष्ट्र सेवार्थ तैयार हों। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि अमेरिका से आए डॉ. प्रकाश शाह, प्रमोदभाई हरियाणी जयपुर, ट्रस्टी डॉ इलेश जैन, अध्यक्ष शिक्षा समिति ऊषा जैन, मिलोनी बहन मुम्बई, उपाध्यक्ष अनुभा अग्रवाल, सचिव आरबी सिंह चौहान सहित प्राचार्य शंकरदयाल पांडेय, राकेश तिवारी, फिरोज खान, सुरेन्द्र तिवारी, दीपक वानी, मंजुला वानी, डॉ. तुषारकान्त शास्त्री ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अंत में अध्यक्ष श्रीमती जैन ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

विशेष अभियान के दिन बूथों में मौजूद रहें बीएलओ

मऊ, चित्रकूट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए बुध ावार को मऊ के उपजिलाधिकारी ने बीएलओज की बैठक ली। जिसमें 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले शत–प्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज किए जाने के निर्देश दिए।

तहसील सभागार में हुई बैठक में मऊ के उपजिलाधिकारी सौरभ यादव और तहसीलदार रामसुधार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी एक जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज करने के निर्देश दिए गए है। इसके अलावा 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं का सत्यापन और मतदाता सूची में दर्ज दिव्यांग मतदाताओं को चिन्हित करने को कहा गया है। ऐसे में एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो युक्त निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके तहत आगामी 28 नवम्बर तक बीएलओज दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। आगामी 23 और 24 नवम्बर को विशेष अभियान के दिन अपने मतदान केन्द्रों पर बीएलओज अर्ह मतदाताओं का प्रारूप छह में आवेदन जमा कराएं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करना आवश्यक होता है।

संक्षेप

दीपकों से जगमग हो उठा धाम

जौनपुर (आरएनएस)। चौकियां धाम मे अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ पर मां शीतला चौकियां धाम स्थित मां शीतला मंदिर परिसर शनिवार की शाम दीपकों से जगमग हो उठा। इस दौरान मां शीतला का भव्य श्रृंगार किया गया। गर्भ गृह सहित मंदिर परिसर में दीपक जलाकर धूमधाम से श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा का वर्षगांठ मनाया गया।विश्व कल्याण की कामना करते हुए परिसर स्थित हवन कुंड में हवन पूजन करके यज्ञ आहुति दी गई। वहीं मंदिर परिसर स्थित सत्य नारायण भगवान मंदिर प्रांगण में भक्तों ने सुन्दर कांड पाठ किया।चौकिया धामवासियों ने भी श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर उत्साहपूर्वक दीपदान किया तथा मंदिर परिसर घर में 251 दीए जलाये।15 किलो लड्डू का भोग लगाया गया इस अवसर पर मंदिर के महंत विवेकानन्द पंडा, चौकिया धाम महंत विनय त्रिपाठी, अनिल सोनकर, संजय माली, सोनू पंडा, अमित पंडा, धीरज त्रिपाठी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

चाक का किया गया वितरण

प्रतापगढ़। आकांक्षा कानवेंट स्कूल पृथ्वीगंज भगसेरा में मिट्टी कला के 36 परम्परागत कारीगरों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक चाक वितरण एवं एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल एवं उ०प्र० माटीकला बोर्ड लखनऊ के पूर्व सदस्य अजीत प्रजापति सम्मिलित हुये। जागरूकता कार्यक्रम में माटीकला के प्रशिक्षक धर्मेन्द्र प्रजापति द्वारा माटीकला की विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन इलेक्ट्रिक चाक पर दिखाया गया एवं माटीकला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन रहेन्द्र शुक्ला सहायक विकास अधिकारी द्वारा किया गया। इस मौके पर आकांक्षा कानवेंट स्कूल के प्रबंधक राजेश पटेल सहित हरीराम पटेल, संजय राज पटेल, वीरेन्द्र प्रताप पाल (सदस्य क्षेत्र पंचायत) एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला ग्रामोद्योग/माटीकला अधिकारी नन्द लाल पटेल द्वारा की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण अंचल के सैकड़ों महिला एवं पुरुषों द्वारा बढ़–चढ़ कर सहभागिता की गई।

खुलेआम घूम रहे है आरोपी

सुल्तानपुर(आरएनएस)। मामला बीते 21 दिसम्बर का है,अमन गोस्वामी अपने छोटे भाई को लालडिग्गी स्थित विद्यालय से लेने गया था,जहा एक राय होकर फराज, जैनुल व अली ने अमन गोस्वामी की बेरहमी से पिटाई कर दी। मरणासन्न हालत में अमन को छोडकर हमलावर भाग गए, परिजनों को सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे अमन को मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहा डाक्टरो ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत को गंभीर देखते हुए रिफर कर दिया, परिजन अमन को लेकर लखनऊ हेल्थसिटी विस्तार पहुंचे जहा उसीरात 9बजे आपरेशन शुरु हुआ जो लगभग 3घंटे चला,आपरेशन के बाद अमन को हेल्थसिटी विस्तार हॉस्पिटल से 9वें दिन छुट्टी मिली, जबकि तीन आरोपी के विरूद्ध कोतवाली नगर में गंभीर धाराओं में अभियोग भी पंजीकृत है,बावजूद इसके पुलिस ने अभीतक कोई कार्यवाही की जहमत नही किया,इस संबध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर से वार्ता करने पर उन्होनें आरोपियों की अतिशीघ्र गिरफ्तारी करने की बात कही।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनशिकायत

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गयी। इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबन्धित को आवश्यक आदेश–निर्देश दिए गये।

आईरन लेडी का मनाया गया जन्मदिन

कौशाम्बी। जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें भारत की पूर्व प्रध ानमंत्री स्व0 इन्दिरा गांधी का जन्मदिन मनाया गया। बैठक में इन्दिरा को माल्यार्पण के उपरान्त संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि स्व0 इन्दिरा गांधी को पूरा विश्व आयरन लेडी के रूप में जानती है, उनके नेतृत्व का लोहा पूरा विश्व मानता था। एक कुशल नेतृत्व एवं कूटनीति से उन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े करते हुए अलग अलग कर दिया।

कांग्रेसियों ने मनाया प्रियंका गांधी का जन्मदिन

बस्ती। वायनाड की सांसद और कांग्रेस पार्टी की पूर्व महासचिव प्रियकां गांधी का जन्मदिन एवं स्वामी विवेकानंद की जयंती कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने प्रियंका गांधी की नेतृत्व क्षमता और पार्टी में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किये। कार्यालय परिसर में पौधरोपण और जिला महिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।भाजपा छोड़कर आये संदीप श्रीवास्तव, राहुल चौधरी ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने उन्हे फटका पहनाकर पार्टी में शमिल किया। जिलाध्यक्ष जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही नही समूचा देश प्रियंका गांधी की नेतृत्व क्षमता का कायल है। उनके रूप में भारत को दूसरी इंदिरा मिली है। निश्चित रूप से आने वाला 10 साल भारतीय राजनीति के लिये बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होने प्रियंका गांधी को देश की जरूरत बताया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा देश कांग्रेस के हाथों में फिर देश की बागडोर देना चाहता है। झूठ बोलकर और जनता को गुमराह कर ज्यादा समय तक कोर्द पार्टी में सत्ता में नही रह सकती। भारत के लोकतंत्र ने जनता के हाथों में यह व्यवस्था दी है कि संविधान को कमजोर करने वाली तथा जनता में नफरत फैलाकर उन्हे बांटने का काम करने वाली सरकारों को उखाड़ फेंके।पूर्व विध ानसभा प्रत्याशी डा. आलोक रंजन ने कहा प्रियंका गांधी एक दिन देश की सबसे बड़ी नेता होंगी। उन्हे राजनीतिक अनुभव विरासत में मिला है। देश की जनता उम्मीद भरी निगाहों से उनकी ओर देख रही है। वह दिन दूर नही जब उनका प्रभाव कई गुना बढ़ेगा और महिलायें सम्मान के साथ जी सकेंगी तथा संविधान विरोधी ताकतें हाशिये पर होंगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विनय तिवारी, रामपूरन चौधरी, विजय चौधरी, जयप्रकाश चौबे, शंकर यादव, नर्वदेश्वर शुक्ल, आशुतोष पाण्डेय, सूरज सोनी, शौकत अली नन्हू, राहुल चौधरी, सुनील पाण्डेय, राकेश पटेल, फिरोज खान, अलीम अख्तर आदि मौजूद रहे।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरतें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधि ाकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता पंचम लाल निवासी नरायनपुर दुल्लीचन्द्र का पुरवा ने शिकायत किया कि गाटा संख्या 540 प्रार्थी की भूमिधरी भूमि है इस भूमि में प्रार्थी के नये व पुराने वृक्ष बांसकोठी आदि स्थित है जिसके सम्बन्ध में न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन चल रहा है, इस मुकदमें में हल्का लेखपाल विवेक तिवारी व ग्राम प्रधान मक्खनलाल साहू को पक्षकार मुकदमा बनाया गया है किन्तु इसके बाद भी दोनो लोग मिल करके अधिकारी कर्मचारी को गुमराह करके न्यायालय के स्थगन आदेश का उल्लंघन करते हुये वादग्रस्त भूमि में निर्माण कार्य कर रहे है उसमें स्थित वृक्षादि, बांसकोठी काट रहे है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी लालगंज व एसएचओ लालगंज को निर्देशित किया है कि न्यायालय के स्थगनादेश का अनुपालन कराये। शिकायतकर्ता राम मनोहर निवासी ग्राम चन्दोका (लोहारन का पुरवा) ने शिकायत किया कि गांव के ग्राम प्रधान पति प्रदीप सिंह द्वारा दबंगई के बल पर हमारी सारी जमीन को जेसीबी से समतल करा के हमारे चारो तरफ से रास्त बन्द कर दिया है और जमीन को कब्जा करके दूसरो को दे दिया है, प्रार्थी को डरा धमका करके यहां से भगाना चाहता है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी एवं एसओ कोहड़ौर को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें। इसी प्रकार जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व व अन्य शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इध ार–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधि ाकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

मकरसंक्रांति के पावन पर्व पर, नगरपालिका भरवारी द्वारा स्काडा चौराहे पर खिचड़ी व चाय एवं जलपान की व्यवस्था कराकर श्रद्धालुओं को रोक रोककर खिचड़ी व जलपान अध्याक्षा नगरपालिका कविता पासी व अधिशासी अधिकारी राम सिंह एवम लेखा लिपिक बब्लू गौतम आदि समस्त कर्मचारियों ने सुबह से लेकर शाम तक कराया।जिसकी सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा किया।इस अवसर पर किन्नर समाज की महंत मुस्कान चौहान ने भी बढ़–चढ़ हिस्सा लिया। हजारों श्रद्धालुओं ने अध्यक्ष व ईओ के इस कार्यक्रम की खुले दिल से प्रशंसा किया।

घर से निकला युवक गायब, परिजन भयभीत

जौनपुर (आरएनएस)। मीरगंज थाना क्षेत्र के भिदूना गांव निवासी 22 वर्षीय सूरज कुमार उर्फ रोहित गौतम पुत्र रविन्द्र गौतम अपने घर से किसी काम के लिए बाजार के लिए साइकिल से निकला लेकिन अभी तक अपने घर बाजार से वापस नहीं आया जिससे परिजन परेशान हैं। रोहित के घर वापस न आने के कारण परिजनों ने थाना मीरगंज गत दिनों रोहित की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। लेकिन 10 दिन तक गुजर जाने के बाद भी पुलिस रोहित गौतम को नहीं तलाश कर पाई। रोहित गौतम के पिता रविन्द्र गौतम ने बताया कि मेरा बेटा घर से 10 दिनों से लापता है।

हजरत अली के जन्म दिवस पर अली डे सेमिनार का आयोजन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जामा मस्जिद अमहट के सामने गदीरी युवा फाउण्डेशन अमहट सुलतानपुर की तरफ से मौलाना मोहम्मद जाफर खान की अगुवाई में मौला ए कायनात हजरत अली अलैहिस्सलाम के जन्मदिवस के अवसर पर एक सेमिनार अलीडे का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मौलाना अली अब्बास खान इमाम जुमा कानपुर ने की और उक्त कार्यक्रम में मौलाना गजनफर अब्बास तूसी दिल्लीश मौलाना सैयद हैदर अब्बास रिजवी श्मौलाना फैजान वारसी इलाहाबाद श प्रोफेसर अली खान राजा महमूदाबादश डाक्टर सूफी राजनैन प्रेसीडेंट सूफी इस्लामिक बोर्ड पंजाब श्डाक्टर जैगम अब्बास लखनऊ श्डाक्टर अब्बास मेंहदी न्यूरो लाजिस्ट लखनऊ श्डाक्टर सैयद आबिद हुसैन मध्य प्रदेश श्डाक्टर मोहम्मद औन समाना पंजाबश मोहम्मद हैदर अब्बास जैदी दिल्लीश मोहम्मद कुमैल हैदर अधिवक्ता इलाहाबादश धर्म वीर बग्गा अम्बेडकरनगरश अब्बास अली जैदी रूश्दी पूर्व मंत्री श्डाक्टर असद अब्बास डीएम न्यूरो लाजिस्ट लखनऊश शहेनशाह आबदी गाजीपुर श्जीशान हैदर समाज सेवी श अंजार रजा लखनऊ श सिब्ते मोहम्मद जाफरी श्यासूब अब्बास लखनऊ श एस एम रजा लखनऊ श्जैगम साहब लखनऊ श सरद यादव अम्बेडकर नगरश नदीम अब्बास लखनऊ श मौलाना मुन्तजिर श जोहेर सुलतानपुरी ने तकरीर की। संचालन अलतमश हैदर साफ्टवेयर इन्जीनियर रिसर्च एवं डेवलपमेंट बंगलौर श तकरीर की और जनपद के गढ़ मान्य शायर व समाज सेवी ने भाग लिया। यह कार्यक्रम 6बजे शाम को समाप्त हुआ। इसकी जानकारी हैदर अब्बास खान अध यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुलतानपुर ने दी है।

एबीवीपी द्वारा युवा दिवस पर विविध कार्यक्रम का आयोजन

सुलतानपुर(आरएनएस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुशभवनपुर द्वारा महाराजा कुश मैराथन का आयोजन सुल्तानपुर पांचोपिरन में स्थित फोर्स फिजिकल एकेडमी मैदान में किया गया । जिसमें छात्रध्छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। महाराजा कुश मैराथन में छात्राओं के लिए दूरी 2400 मीटर थी जिसमें 31 छात्राओं ने प्रतिभाग किया । इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बिंदु निषाद, द्वितीय स्थान पर मुस्कान सिंह, तृतीय स्थान पर अंकिता पाण्डेय, चतुर्थ स्थान पर आंचल यादव , पंचम स्थान पर उमा वर्मा, षष्ठ स्थान पर अंतिमा यादव और सप्तम स्थान पर पूजा वर्मा रही । जबकि छात्रों के लिए दूरी 4800 मीटर थी जिसमें 19 छात्रों ने प्रतिभाग किया । इस अवसर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राहुल, द्वितीय स्थान पर राकेश कुमार, तृतीय स्थान पर प्रियांशू, चतुर्थ स्थान पर संयुक्त रूप से अभिषेक व संतोष मौर्या और पंचम स्थान पर सभाराज रहे । सभी विजेता छात्र और छात्राओं को पदक, सर्टिफिकेट और उपहार से सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर प्रवासी कार्यकर्ता इलाहाबाद विश्विद्यालय से आये अभिनव मिश्रा, खेलो भारत प्रान्त सह संयोजक रितिक द्विवेदी प्रांत उपाध्याय डॉ संतोष सिंह अंश, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रुद्र प्रताप सिंह, राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी रहे विक्रम सिंह, रेलवे पुलिस फोर्स अधिकारी नमन वर्मा , मुख्य कोच के रूप विपिन कुमार , जिला मीडिया संयोजक सत्यम चौरसिया, विवेक निषाद, मनीष यादव अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका में आलोक शुक्ल व संदीप दुबे रहे है।कार्यक्रम का संचालन प्रतियोगिता संयोजक व नगर सहमंत्री परमेंद्र सिंह जी ने किया। सुबह स्वामी विवेकानंद पार्क की साफ सफाई कर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग में युवा एवं भारत का भविष्य विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। यहाँ मुख्य वक्ता के रूप में प्रवासी कार्यकर्ता अभिनव मिश्रा ने कहा कि विवेकानंद का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार पाना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए. विवेकानंद ने जाति, वर्ग और भेदभाव को समाज की सबसे बड़ी बाधा माना. उनका संदेश था कि समाज की एकता ही उसकी शक्ति है. उन्होंने कहा, ष्भारत में जाति समस्या का समाध ान समाज के निचले स्तर को ऊपर उठाने में है। इस अवसर पर अभाविप काशी प्रांत उपाध्यक्ष डॉ संतोष सिंह अंश, विभाग संयोजक शिवम दुबे, अभ्युदय कोंचिंग समन्वयक अपूर्वा दुबे, जिला मीडिया संयोजक सत्यम चौरसिया, विवेक निषाद, अंकुर मिश्रा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन नगर सहमंत्री परमेंद्र सिंह ने किया।

प्रयागराज जाने के लिए नहीं होंगे परेशान, हर घंटे मिलेगी बसय ऐसे करा सकते हैं सीट बुक

महाकुंभ (प्रयागराज) के लिए श्रद्धालुओं के लिए बसों की कोई कमी नहीं होगी। यह दावा परिवहन निगम के अधिकारियों का है। सुबह से शाम तक आईएसबीटी और अन्य स्टैंड से बसों का संचालन किया जा रहा है। सीट बुकिंग के लिए काउंटर खोल दिए है। यात्री कम होने की वजह से फिलहाल 8 से 10 बसें प्रयागराज के लिए जा रही हैं। परिवहन निगम आगरा परिक्षेत्र को दूसरे चरण में करीब 430 बसें महाकुंभ मेले के लिए भेजनी है। इसके अलावा आगरा और मथुरा से बसों का संचालन किया जाएगा। 23 जनवरी से 7 फरवरी तक करीब 88 बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि सुबह 7 से रात 11रू30 बजे तक प्रयागराज के लिए बसें चलेगी। हर घंटे में एक बस स्टैंड पर खड़ी होगी। उन्होंने बताया कि साधारण बसों का किराया 753 रुपये है। कोई श्रद्धालु 48 टिकट बुक कराता है, तो दो यात्रियों के लिए मुफ्त यात्रा की योजना भी शुरू की गई है। आईएसबीटी पर यात्रियों की सुविधा के लिए सहायता केंद्र भी शुरू कर दिया गया है।

यति नरसिंहानंद के कक्ष के बाहर पकड़ा गया संदिग्ध

प्रयागराज। यति नरसिंहानंद सेक्टर–20 स्थित दूधेश्वर नाथ मठ में ठहरे हैं। वह आठ जनवरी को मेले में पहुंचे थे। उनकी जनसंपर्क अधिकारी डॉ. उदिता ने बताया कि सोमवार रात स्वामी अपने कक्ष में विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक उनके कक्ष के बाहर तक पहुंच गया। मठ में मौजूद सेवादारों की नजर पड़ी तो उन्होंने उससे पूछताछ की। इस पर वह घबरा गया। यह तक नहीं बता पाया कि वह किससे मिलने आया है। यह भी कहा कि उसका नाम आयुष है। हालांकि, जब सख्ती से पूछताछ हुई तो उसने अपना नाम अयूब और खुद को एटा का रहने वाला बताया। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया और युवक को उनके सुपुर्द कर दिया गया। डॉ. उदिता ने यह भी बताया कि स्वामी जी की सुरक्षा के लिए एक दिन पहले ही उन्होंने डीआईजी मेला वैभव कृष्ण को पत्र दिया है। हालांकि, अब तक उन्हें इस बाबत कोई जानकारी नहीं दी गई। वहीं, मामले में पुलिस अफसरों से बात करने की कोशिश की गई पर उनसे संपर्क नहीं हो सका। एक युवक को पकड़कर थाने लाया गया है। पूछताछ में पता चला है कि वह मुस्लिम है। वह मठ में क्या करने गया था, इस बाबत उससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, उसने अपने बारे में जो कुछ भी बताया है, उन सूचनाओं की पुष्टि कराई जा रही है। विस्तृत जांच के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ में स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन ने ली दीक्षा, नाम और गोत्र देने वाले कैलाशानंदगिरी ने दिया बीज मंत्र

प्रयागराज। महाकुंभ में एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन जॉब्स उर्फ कमला ने भी बुधवार को कैलाशानंद गिरि से दीक्षा ले ली। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडवेश्वर कैलाशानंद गिरि ने उन्हें भगवती मां काली की बीज मंत्र की दीक्षा दी। महाकुंभ में लगे अपने शिविर में ही कैलाशानंदगिरि ने लॉरेन उर्फ कमला को दीक्षा देकर आशीर्वाद भी दिया। इससे पहले काशी में कैलाशानंदगिरि ने पिछले ही हफ्ते लॉरेन को कमला नाम और अपना गोत्र भी दिया था। पति स्टीव जॉब्स की तरह ही लॉरेन का भी हिंदू र्म से गहरा लगाव है। लॉरेन महाकुंभ में 29 जनवरी यानी मौनी अमावस्या तक रहेंगी। पौण पूर्णिमा के अवसर पर वह अन्य वीवीआईपी महिलाओं के साथ संगम में डुबकी लगाएंगी। मक्रर संक्रांति पर भी उनके शाही स्नान के दौरान स्नान की तैयारी थी लेकिन अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण स्नान नहीं कर सकी थीं। लॉरेंस महाकुंभ में एक साध्वी के ही वेशभूषा में रह रही हैं। शरीर पर भगवा कपड्डे के साथ ही हाथ में रक्षासूत्र और गले में रुद्राक्ष की माला के साथ पीले रंग का सलवार सूट में नजर आती हैं। ठंड से बचने के लिए शाल भी भगवा कलर का ही इस्तेमाल कर रही हैं। प्रयागराज आने से पहले लॉरेन काशी गई थीं और वहां काशी विश्वनाथ का भी दर्शन किया था। काशी में ही कैलाशनंद गिरि की तरफ से उन्हें हिंदू नाम कमला दिया गया था। कैलाशानंद गिरि के अनुसार लॉरेंस जॉब्स बहुत धार्मिक और आध्यात्मिक हैं। वह हमारी परंपराओं के बारे में जानना चाहती हैं। वह मुझे एक पिता और गुरु के रूप में सम्मान देती हैं। हर कोई उनसे सीख सकता है। भारतीय परंपराओं को दुनिया स्वीकार कर रही है।

आए थे पुण्य की डुबकी लगाने... पुलिस ने घुमा दिया पूरा शहर, चरण रज लेकर अभिभूत हुईं महिलाएं

प्रयागराज। एक साल से महाकुंभ का इंतजार कर रहा था, ताकि संगम में आकर पुण्य की डुबकी लगाऊं। लेकिन, शहर में श्रद्धालुओं के लिए जगह–जगह किए गए डायवर्जन से सिर चकरा गया। घूमते–घूमाते 15 से 20 किमी शहरभर में चक्कर काटा, फिर जाकर संगम में डुबकी लगाने का मौका मिला। यह कहना है पटना से आए रामनाथ का था। यही हाल कई श्रद्धालुओं का रहा।महाकुंभ का सकुशल आयोजन कराने को लेकर पुलिस की ओर से रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और शहरी सीमा से मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग अलग–अलग रूटों से मेला में प्रवेश दिया जा रहा है। ऐसे में जगह–जगह घुमावदार रास्ते से श्रद्धालुओं को लंबा चक्कर काटना पड़ा। वहीं, उधमपुर से आए श्रीनाथ ने बताया कि वह सोमवार रात दो बजे प्रयागराज आ गए। जंक्शन पर उतरने के बाद लाखों की संख्या में भीड़ थी। स्टेशन के बाहर आते ही पुलिस वालों ने संगम के रास्ते जाने के लिए कहा। तकरीबन 10 किमी का रास्ता पैदल तय किया। लेकिन, एक इस बीच एक भी ई–रिक्शा या फिर कोई अन्य वाहन की व्यवस्था नहीं थी। वहीं, अमृतसर से आए नीरज अहूजा ने बताया कि संगम में पुण्य की डुबकी लगानी है तो थोड़ी दिक्कत झेलनी पड़ेगी। उधर, अमृत स्नान के लिए निकले संतों की चरण रज लेने की होड़ श्रद्धालुओं में रही। खासतौर पर महिलाएं इसके लिए लालायित दिखीं। पुलिस बल के कई बार हटाने के बावजूद महिला श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग के बीचो–बीच आकर झोली में चरण रज बटोरती दिखीं। महाकुंभ के पहले अमृत स्नान के लिए मंगलवार भोर से अखाड़ों को रवाना होना था। अखाड़ों में शामिल नागा संन्यासी, महामंडलेश्वर, आचार्य की चरण रज लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु देर–रात से

डेरा डालकर बैठे थे। मध्य प्रदेश के दतिया की राजकुमारी, बाराबंकी की कौशल्या, राजस्थान की नंदनी, सुधा, रितिका आदि परिवार के साथ महाकुंभ स्नान के लिए आई थीं। स्नान करके आधी रात को ही अखाड़ा मार्ग पहुंच गईं। सात घंटे इंतजार के बाद जब भोर में महानिर्वाणी अखाड़े के संत गुजरे तब जाकर चरण रज मिल सकी। चरण रज अपने आंचल में बांधते समय राजकुमारी, कौशल्या समेत महिला श्रद्धालु अभिभूत नजर आईं। चरण रज अपने माथे पर लगाने के साथ परिजनों के माथे पर भी लगाई। मकर संक्रांति पर कुंभ मंथन से निकला अमृत देश के कोने–कोने तक पहुंचा। करोड़ों श्रद्धालुओं ने जहां गंगा में डुबकी लगाकर अमृत स्नान किया, वहीं जो नहीं आ सके, उनके लिए श्रद्धालु अमृत रूपी गंगाजल गैलन में भरकर साथ ले गए। जम्मू से आए संजीव कुमार व उनकी पत्नी सुमन दो बड़े गैलन में गंगाजल भरकर ले गए। दंपती ने बताया कि यह गंगाजल अपने–अपने माता–पिता, दोनों बच्चों और मोहल्ले वालों को देंगे। कोई और भी मांगेगा तो उसे भी देंगे। पहली बार महाकुंभ में आईं सुमन कहती हैं, गंगाजल मेरे लिए अमृत जैसा है। इसका कोई मोल नहीं है। इसे बहुत संभालकर रखेंगे। वहीं, टेलरिंग का काम करने वाले संजीव को विश्वास है कि संगम का यह जल उनके व्यवसाय के लिए अमृत साबित होगा। जम्मू पहुंचने पर पूरे घर और दुकान में गंगाजल छिड़केंगे। शाहजहांपुर से आए जदुवीर सिंह, राम भरोसे व मुन्नी देवी भी पांच गैलन में गंगाजल भरकर ले गए। जदुवीर ने कहा कि गांव से जो लोग नहीं आ सके, उनको गंगाजल बांटेंगे। राम भरोसे का कहना था कि हर साल माघ में प्रयागराज आना नहीं हो पाता है। अगर किसी कारणवश भविष्य में नहीं आ पाते हैं तो संगम के इस जल से ही स्नान कर मान लेंगे कि पुण्य की डुबकी लगा ली है। मुन्नी देवी बताती हैं, गांव में जब किसी का आखिरी वक्त आता है तो उसे गंगाजल दिया जाता है, ताकि मोक्ष प्राप्त हो सके। लोग एक–दूसरे के घरों में जाकर गंगाजल मांगते हैं। कभी–कभी रुद्राभिषेक के लिए गंगाजल नहीं मिलता है। यह गंगाजल सिर्फ मेरे परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे गांव के लिए है। सबको पुण्य मिले, इसी कामना से गंगाजल साथ ले जा रहे हैं।

इटली के जॉर्ज-सफीना ने किया 12 साल इंतजार, अमृत स्नान का साक्षी बनने के लिए भक्तों में दिखी बेकरारी

प्रयागराज। इटली के एक दंपती ने महाकुंभ के लिए 12 साल का इंतजार किया। मंगलवार को मकर संक्रांति पर पहुंचकर संगम में डुबकी लगाई। पूछने पर उन्होंने कहा कि यहां का जो अनुभव है, उसे शब्दों में बयां कर पाना संभव नहीं है। बस इतना ही कह सकते हैं कि यह अकल्पनीय है। इटली से आए जॉर्ज और उनकी पत्नी सफीना इटली के मिलान शहर के रहने वाले हैं। जॉर्ज पेशे से आर्किटेक्ट व उनकी सफीना मेडिकल प्रोफेशनल हैं। संगम घाट पर अमृत स्नान के लिए जाते संतों को एकटक निहारते जॉर्ज ने बताया कि वह पहली बार महाकुंभ में आए हैं। मिलान में ही रहने वाले उनके एक दोस्त ने उन्हें महाकुंभ के बारे में बताया था। एक बार 2019 में भी आने को सोचा, लेकिन फिर पता चला कि यह अर्धकुंभ है। वह देखना चाहते थे कि हजारों साल पुरानी अपनी धार्मिक धरोहर को सहेजने का त्योहार करोड़ों लोग एक जगह पर जमा होकर कैसे मनाते हैं। पत्नी सफीना भी महाकुंभ में आने के लिए बेहद उत्साहित थीं। यहां आकर कैसा लगा, इस सवाल पर जॉर्ज ने कहा कि यह अकल्पनीय है। उन्होंने ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा। यह भी कहा कि कोशिश रहेगी कि अगले महाकुंभ में भी वह शामिल हो सकें। यह भी बताया कि पांच दिन पहले वह प्रयागराज आए थे और अब यहां वाराणसी जाएंगे। त्रिवेणी संगम पर महाकुंभ का पहला अमृत स्नान अद्भुत, अविश्वसनीय और अकल्पनीय आस्था का महापर्व बन गया। ठंड और कोहरे से लिपटा त्रिवेणी का तट ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सृष्टि ने खुद को इस अद्वितीय आयोजन के स्वागत में संवार लिया हो। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की धाराओं का मिलन स्थल दिव्यता का ऐसा केंद्र बन गया, जहां हर सांस में श्रद्धा और हर पल में ऊर्जा का संचार हो रहा था। आंखों में सूरमा, भस्म से लिपटा तन, जटाजूट की वेणी और हाथों में त्रिशूल व डमरू लिए नागा साधुओं का दृश्य मानो युगों पुरानी कहानियों को जीवंत कर रहा था। त्रिवेणी के तट पर ये साधु किसी देवदूत की तरह प्रतीत हो रहे थे, जो अपनी तपस्या और आस्था के साथ इस अद्वितीय स्नान के लिए तैयार थे। मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर मंगलवार की सुबह संगम पर एकाएक भीड़ जुटनी शुरू हो गई।

तरह–तरह के रंग... थकान और सर्दी भी नहीं भंग कर सकी आस्थाय लगते रहे मां गंगा और भोले बाबा के जयकारे

प्रयागराज। मकर संक्रांति पर्व पर मंगलवार को सनातन परंपरा के सबसे बड़े मानव समागम का वृहद रूप दिखा। हर तरफ स्नानार्थियों की आस्था उमड़ती रही। मेला क्षेत्र के अलावा प्रमुख मार्गों पर भी स्नानार्थियों की भीड़ रही। आस्था की नगरी में तरह–तरह के रंग दिखे। लोग मां गंगा और भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए चलते रहे। उत्साह और जयकारों के बीच कई किमी की पैदल यात्रा की थकान और सर्दी भी लोगों की आस्था को डिगा न सकी। पौष पूर्णिमा पर ही करीब डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों ने संगम और आसपास के घाटों पर डुबकी लगाई थी। अगले दिन यानि मंगलवार को मकर संक्रांति का अमृत स्नान पर्व रहा। ऐसे में करीब 10 लाख कल्पवासी व उनके परिजनों के अलावा बड़ी संख्या में अन्य श्रद्धालु भी मेला क्षेत्र में ही रुक गए और स्नान किया। इनके अलावा अखाड़े और अन्य संत व उनके अनुयायी भी सोमवार तक मेला क्षेत्र में पहुंच गए थे। वहीं, मंगलवार को भी स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। भोर से ही सभी मार्गों पर सिर्फ श्रद्धालु ही नजर आए। स्थिति यह रही कि काली मार्ग, बांध, सभी पांटून पुलों पर तिल रखने की भी जगह नहीं बची। हर तरफ श्रद्धालुओं, संतों व उनके अनुयायियों की ही भीड़ नजर आई। साथ न छूटे इसलिए जत्थे में आगे चल रहा व्यक्ति कोई न कोई निशानी लेकर चल रहा था। वहीं, बड़ी संख्या में लोग भजन गाते हुए चल रहे थे। इस तरह के नजारे लोगों के आकर्षण का केंद्र भी रहे। यह सिलसिला देर

शाम तक चलता रहा। त्रिवेणी संगम पर महाकुंभ का पहला अमृत स्नान अद्भुत, अविश्वसनीय और अकल्पनीय आस्था का महापर्व बन गया। ठंड और कोहरे से लिपटा त्रिवेणी का तट ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सृष्टि ने खुद को इस अद्वितीय आयोजन के स्वागत में संवार लिया हो। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की धाराओं का मिलन स्थल दिव्यता का ऐसा केंद्र बन गया, जहां हर सांस में श्रद्धा और हर पल में ऊर्जा का संचार हो रहा था। आंखों में सूरमा, भस्म से लिपटा तन, जटाजूट की वेणी और हाथों में त्रिशूल व डमरू लिए नागा साधुओं का दृश्य मानो युगों पुरानी कहानियों को जीवंत कर रहा था। त्रिवेणी के तट पर ये साधु किसी देवदूत की तरह प्रतीत हो रहे थे, जो अपनी तपस्या और आस्था के साथ इस अद्वितीय स्नान के लिए तैयार थे। मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर मंगलवार की सुबह संगम पर एकाएक भीड़ जुटनी शुरू हो गई। इनमें न केवल भारत बल्कि दुनियाभर से आए श्रद्धालु भी शामिल थे।

रिकॉर्ड 5250 यात्रियों ने किया हवाई सफर

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट से मकर संक्रांति स्नान पर्व के दिन अब तक सबसे ज्यादा 5250 यात्रियों ने हवाई सफर किया। 38 फ्लाइट की आवाजाही हुई। इस दौरान एयरपोर्ट पर दो चार्टर प्लेन भी आए और तीन रवाना हुए। दिल्ली की दो–दो फ्लाइट गईं। दिल्ली के अलावा देहरादून और बिलासपुर की फ्लाइट फुल रहीं। वहीं, कोलकाता की फ्लाइट में सामान्य भीड़ थी। वहीं, कोहरे के कारण देहरादून की फ्लाइट थोड़ी देरी से गई। इससे पूर्व 13 जनवरी को 4252 यात्रियों ने हवाई सफर किया था।

दिल का दौरा पड़ने से छह लोगों की मौत, 10 हुए भर्तीय 57 मरीज एसआरएन के लिए रेफर

प्रयागराज। मेले में मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से महाराष्ट्र के सोलापुर के पूर्व मेयर, एनसीपी एसपी के नेता नेता महेश कोठे (62) व एक नागा संन्यासी समेत छह लोगों की मौत हो गई। महेश संगम स्नान करने के बाद वह अचेत हो गए थे। जबकि, जूना–आवाहन अखाड़े के दो महंत और नोएडा से आए सेना के पूर्व ब्रिगेडियर समेत 10 दस लोग भर्ती हैं। वहीं, मेले के अस्पतालों में छह हजार से अधिक मरीज देखे गए। इस दौरान अलग–अलग दिक्कतों की वजह से 57 मरीज एसआरएन के लिए रेफर किए गए। इसमें से 13 भर्ती किए गए, जबकि 45 को दवा देकर भेज दिया गया। मेले में नोएडा से आए सेना के पूर्व ब्रिगेडियर राजीव मिनोचा (70) को दिल का दौरा पड़ने पर एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह पत्नी प्रिया के साथ संगम स्नान करने आए थे। फिलहाल, उन्हें हृदय रोग विभाग के आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है। एसआरएन के मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि पहले से उनकी हालत स्थिर है। कल्पवास के लिए आईं अमेरिका की अरबपति महिला उद्यमी लॉरेन पॉवेल जॉब्स बीमार पड़ गई हैं। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने बताया कि लॉरेन के हाथ में चकत्ते पड़ गए हैं। इस वजह से वह अमृत स्नान नहीं कर सकीं।

अलीगंज का अयूब अली आश्रम में आयुष बनकर घुसा

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर नंबर 20 स्थित दुधेश्वरनाथ आश्रम में मंगलवार की तड़के एक संदिग्ध युवक पकड़ा गया। आश्रम में यति नरसिंहानंद गिरि के अनुनायियों ने संदेह होने पर युवक को पकड़ा। इसके बाद मेला पुलिस को सौंप दिया गया। आरोपी से पुलिस ने पूछताछ की। गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत नरसिंहानंद गिरि का सेक्टर नंबर स्थित दुग्धेश्वरनाथ आश्रम में शिविर बना है। शिविर में मंगलवार को तड़के अनुनायियों की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। उसे पकड़कर पूछताछ की गई, तो पहले उसने अपना नाम आयुष बताया। हालांकि कड़ाई से पूछने पर खुद को एटा जिले के अलीगंज निवासी अयूब अली बताया। इसकी जानकारी होते ही अनुनायियों में खलबली मच गई। आनन–फानन में मेला पुलिस को सूचना दी गई। मेला पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। महंत नंरसिंहानंद गिरि ने बताया कि डासना मंदिर में कुछ महीने पहले मुस्लिम समुदाय के बड़ी संख्या में मंदिर पर हमला किया था। मंदिर में हमला करवाने वाले आरपी जुबेर धमकी भी दे चुका है। इस संबंध में मुकदमा दर्ज है। सुरक्षा के दृष्टि से पुलिस के दो गनर भी मिला है। यति यति नरसिंहानंद गिरि के शिविर में एक संदिग्ध युवक के घुसने की सूचना मिली थी। आरोपी एटा जिले का निवासी है। उससे पुलिस पूछताछ करने में जुटी है।

रामबाग रेलवे स्टेशन पर बिछड़ी बच्ची को परिजनों से मिलाया

प्रयागराज। रामबाग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को बिछड़ी बच्ची को आरपीएफ के जवानों डने उसके माता–पिता से मिलवाया। भोजपुर, बिहार निवासी रंजन गोस्वामी की बेटी मंगलवार को स्टेशन पर बिछड़ गई। आठ वर्षीय बच्ची पुलिस के पास पहुंची और जानकारी दी। रेलवे सुरक्षा बल ने एनाउंस करके उसके मां–पिता को ढूंढ निकाला। अपने पिता को देखते ही बच्ची रोने लगी। इस भावुक पल को देखकर उसके परिजनों ने संभाला। बच्ची के परिजनों ने रेलवे पुलिस का आभार जताया।

के सौजन्य विशेष रेलगाड़ियों के आवृत्ति में वृद्धि एवं संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **महाकुम्भ मेला-2025** के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों के आवृत्ति में वृद्धि एवं संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

1- गाड़ी संख्या 02417/02418 सूबेदारगंज-दिल्ली सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में 2 दिन के स्थान पर 4 दिन चलेगी)

संचालन अवधि में विस्तार के दिन एवं तिथि

- **सूबेदारगंज से गाड़ी संख्या** 02417, **मंगलवार एवं बुधवार** दिनांक : 21.01.25, 22.01.25, 04.02.25, 05.02.25, 11.02.25, 12.02.25, 18.02.25, 19.02.25, 25.02.25, 26.02.25, 04.03.25 एवं 05.03.25
- **दिल्ली से गाड़ी संख्या** 02418, **बुधवार एवं गुरूवार** दिनांक : 22.01.25, 23.01.25, 05.02.25, 06.02.25, 12.02.25, 13.02.25, 19.02.25, 20.02.25, 26.02.25, 27.02.25, 05.03.25 एवं 06.03.25

☛ **उपरोक्त रेलगाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय एवं ठहराव के अनुसार चलेगी।**

2- गाड़ी संख्या 02275/02276 सूबेदारगंज-दिल्ली सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) का संचालन

गाड़ी संख्या - 02275 सूबेदारगंज - दिल्ली			गाड़ी संख्या - 02276 दिल्ली - सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	21:35	सूबेदारगंज	19:40	-----
22:45	22:47	फतेहपुर	17:18	17:20
00:15	00:20	गोविन्दपुरी	16:00	16:05
02:00	02:02	इटावा	13:50	13:52
03:33	03:35	टूण्डला	12:43	12:45
04:45	04:47	अलीगढ़	11:35	11:37
08:55	-----	दिल्ली	-----	09:30

- **सूबेदारगंज से गाड़ी संख्या** 02275, **सोमवार** दिनांक : 20.01.25, 27.01.25, 03.02.25, 10.02.25, 17.02.25, 24.02.25 एवं 03.03.25
- **दिल्ली से गाड़ी संख्या** 02276, **मंगलवार** दिनांक : 21.01.25, 28.01.25, 04.02.25, 11.02.25, 18.02.25, 25.02.25 एवं 04.03.25

नोट : रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 84/25 (AS)

रेलगाड़ियों का प्रयोगात्मक ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित रेलगाड़ियों का **रामगढ़ स्टेशन** पर प्रयोगात्मक ठहराव दिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी संख्या	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी: प्रारम्भिक स्टेशन से	तिथि से प्रभावी: रामगढ़ स्टेशन पर ठहराव
12403 प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस (सप्ताह में 4 दिन)	रामगढ़	08:38	08:40	16.01.2025	17.01.2025
12404 लालगढ़-प्रयागराज एक्सप्रेस (सप्ताह में 4 दिन)		18:08	18:10	17.01.2025	17.01.2025
20403 प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस (त्रि-साप्ताहिक)		08:38	08:40	15.01.2025	16.01.2025
20404 लालगढ़-प्रयागराज एक्सप्रेस (त्रि-साप्ताहिक)		18:08	18:10	16.01.2025	16.01.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 87/25(MG)

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**